पर्दे के पीछे कौन??

मदन पालीवाल के काले धन के निवेश का सबसे बड़ा खुलासा!!!

देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ...

जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

JAWAB DO SARKAR
www.jawabdosarkar.com
(A Digital Media Initiative to promote Accountability)

वॉल्यूम न.– 2021/kdgl/07 | E-Newsletter, Issued in Public Interest | शनिवार, 11 दिसम्बर 2021

सनसनीखेज खुलासा!!!

मिराज ग्रुप की जयपुर के यूनिक बिल्डर से साझेदारी!!!

यूनिक बिल्डर मे 25 प्रतिशत हिस्सेदारी मदन पालीवाल के पास,
राजस्थान मे तकरीबन 1000 करोड़ के इनवेस्टमेंट का मामला!!!

दोनों समूहो ने महाराष्ट्र के रियल स्टेट व्यवसाय मे किया 1500 करोड़ का निवेश!!!
जिसमे से 1000 करोड़ मदन पालीवाल और 500 करोड़ यूनिक बिल्डर के!!!

क्या प्रवर्तन निदेशालय करेगा इन दोनों समूहो के राजस्थान,महाराष्ट्र और एनसीआर क्षेत्र के विभिन्न रियल स्टेट प्रोजेक्ट्स के निवेशो मे हुई मनी लॉण्डरिंग की जांच?

विशेष रिपोर्ट-3

इस निवेश मे कितना काला कितना सफ़ेद?

*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

राजस्थान मे यूनिक बिल्डर की विशिष्ट पहचान

राजस्थान मे यूनिक बिल्डर की अपनी एक विशिष्ट पहचान है|समूह द्वारा अब तक कई आवासीय और व्यवसायिक बिल्डिंगों का निर्माण किया गया है|वर्तमान मे इस समूह के राजस्थान मे जयपुर,जोधपुर,उदयपुर,बाड़मेर,अजमेर,किशनगढ़ सहित महाराष्ट्र मे भी कई प्रोजेक्ट्स का उत्कृष्ट निर्माण किया जा रहा है|

महाराष्ट्र मे UK KEEMAYA के नाम से बना रहे प्रोजेक्ट|

समूह की वेबसाइट पर प्रदर्शित जानकारी के अनुसार समूह का महाराष्ट्र मे एक आवासीय प्रोजेक्ट UK Iridium चल रहा है और दो प्रोजेक्ट्स **UK Sangfroid** और **UK Vedic Heights** पूर्ण किए जा चुके है|जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र मे किमाया ग्रुप के साथ यूनिक बिल्डर की साझेदारी सामने आई है|

Rera महाराष्ट्र के अनुसार **UK Iridium** का निर्माण **Damodar Suruchi Developers Private Limited** द्वारा किया जा रहा है|जिसकी लागत करोड़ो मे है|इसी प्रकार **UK Sangfroid** का निर्माण **Keemaya Build Private Limited** द्वारा किया गया है इसकी लागत भी करोड़ो मे है|इन दोनों कंपनियों के कर्ता धर्ता श्री देवांशु बंसल,प्रभंश बंसल और दिनेश कुमार बंसल है|

मिराज ग्रुप की जयपुर के यूनिक बिल्डर से साझेदारी का हुआ खुलासा|

उपलब्ध जानकारी के अनुसार मिराज ग्रुप की जयपुर के यूनिक बिल्डर से साझेदारी सामने आई है|अमूमन जब कोई बड़े ग्रुप कोई साझेदारी करते है तो उसका मीडिया मे प्रचार-प्रसार करते है परंतु इन दोनों समूहो की साझेदारी मे ऐसी कोई बात आज तक मीडिया मे सामने नहीं आई है|मिराज ग्रुप के मदन पालीवाल की यूनिक बिल्डर की एक कंपनी **Modest infra limited** मे साझेदारी सामने आई है|इस कंपनी द्वारा जयपुर मे दो प्रोजेक्ट बनाए गए है जिनके नाम **Green meadows** और **Masterpiece** है|इनमे से **Green meadows** की लागत लगभग 100 करोड़ रुपए है जबकि **Master-piece** की 3 करोड़ बताई गयी है|

जानकारो के अनुसार मिराज समूह के मदन पालीवाल द्वारा करीब 1000 करोड़ से ज्यादा का निवेश कर यूनिक बिल्डर के करीब 25% शेयर घोषित/आघोषित रूप से खरीद लिए है|

PROJECT COST DETAIL		
Sr. No	Particular	Estimated Total amount(INR)
1	Land cost as per rule 5(1)	186000000.00
	For the purposes of sub-clause (D) of clause (I) of sub-section (2) of section 4, the land cost shall be the cost incurred by the promoter whether as an outright purchase, lease charges etc. and includes-	
	Revenue or area share given to land owner in lieu of land under any kind of agreement such as Joint Venture, Joint Development etc, in case the Promoter is not the owner of the land.	
	Amount paid to land owner.	
	Incidental costs related to acquisition of land such as stamp duty, brokerage, settlement costs of litigation, premiums paid to government authorities related to land.	
	Interest on finance for purchase of land.	
	Litigation costs incurred for land acquisition.	
	Property and other taxes, fees, premiums paid.	
2	Development cost as per rule 5(2)	894500000.00
	For the purposes of sub-clause (D) of clause (I) of sub-section (2) of section 4, the construction cost shall be the total cost incurred by the promoter, towards the on-site expenditure for the physical development of the project and includes fees payable to the architects, consultants, project managers/staff including engineers, marketing agents etc. fees/charges/security deposit payable to various departments/authorities, Labor Cess, VAT which are incurred during the development of the project.	

रेरा को दी गयी जानकारी के अनुसार Green Meadows की कुल लागत 100 करोड़ है|

Organization			
Organization Name	MODEST INFRA LIMITED	Organization Type	Company

ADDRESS DETAILS			
State	Rajasthan	District	Jaipur
Tehsil	Jaipur	Village/ Town/ City	
Plot / Khasra No	4TH FLOOR, UNIQUE DESTINATION,	Ward No	
Street/ Locality	LAXMI MANDIR CROSSING, TONK ROAD	Pin Code	302004

Organization Contact Details			
Office Number	01414090777	Website URL	www.uniquegroup.in

Partner / Director Details

Name	Designation	Photo
Vibhishek Singh	Director	View Photo
Harcharan Singh	Director	View Photo
Abhishek Singh	Wholetime Director	View Photo
Madan Paliwal	Director	View Photo

रेरा को दी गयी जानकारी के अनुसार MODEST INFRA LTD मे मदन पालीवाल भी निदेशक है|

दोनों समूहो ने महाराष्ट्र के रियल स्टेट व्यवसाय मे किया 1500 करोड़ का निवेश|जिसमे से 1000 करोड़ मदन पालीवाल और 500 करोड़ यूनिक बिल्डर के|

सूत्रों के अनुसार दोनों समूहो ने करीब 1500 करोड़ का घोषित/अघोषित रूप से महाराष्ट्र के रियल स्टेट व्यवसाय मे निवेश किया हुआ है|जिसमे से करीब 1000 करोड़ मदन पालीवाल और करीब 500 करोड़ यूनिक बिल्डर द्वारा लगाए गए है|

काले धन को खपाने की सबसे पसंदीदा जगह रियल स्टेट|

स्टैंडिंग कमिटी ऑन फाइनेंस की प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया है कि वह सेक्टर जिनमें काला धन सबसे ज्यादा है वह है रियल स्टेट, माइनिंग, फार्मास्युटिकल्स, पान मसाला, गुटखा, टोबैको इंडस्ट्री, बुलियन और कमोडिटी मार्केट| इसके अलावा सबसे ज्यादा काला धन फिल्म इंडस्ट्री, एजुकेशनल इंस्टीट्यूट और प्रोफेशनल्स के द्वारा इस्तेमाल किया जाता है|सिक्यूरिटी मार्केट और मैन्युफैक्चरिंग में भी काले धन की भरमार है| चूंकि रियल स्टेट मे कभी कभार ही गिरावट आती है और इसमे पैसा डूबने का डर नहीं होता इसलिए यह काला धन खपाने की मुफीद जगह है|

क्या मिराज समूह के मदन पालीवाल द्वारा तंबाकू के धंधे से अर्जित काले धन का निवेश यूनिक बिल्डर के साथ रियल स्टेट मे किया जा रहा है?

सूत्रों के अनुसार इस बात मे कोई दो राय नहीं है कि मदन पालीवाल द्वारा अपने तंबाकू के धंधे मे जीएसटी/इन्कम टेक्स की चोरी कर,कमाए गए काले धन को रियल स्टेट मे नहीं खपाया जा रहा हो|चूंकि यूनिक बिल्डर की रियल स्टेट मे अपनी एक विशिष्ट पहचान है और उसके प्रोजेक्ट्स हाथो-हाथ बिक जाते है|साथ ही उनके राजनैतिक रसूखातों के चलते सरकार के नुमाइंदे आसानी से उन पर हाथ भी नहीं डाल पाते है|इन्ही कारणों के चलते यूनिक बिल्डर के विभिन्न प्रोजेक्टो मे पैसा लगाना मदन पालीवाल के लिए ज्यादा मुफीद है|

Printed from
THE TIMES OF INDIA

Property worth Rs 300 crore recovered from Ajaypal Singh

TNN | Feb 1, 2009, 06.25 AM IST

JAIPUR: During the three-day long raids at the house and offices of former Rajasthan Housing Board chairman Ajaypal Singh and his brother Ajitpal Singh, the income tax (IT) department recovered property and related documents worth over Rs 300 crores.

Property worth Rs 105 crores, including Rs 19 crore in cash, 18 lockers in various banks, land purchase documents worth Rs 40 crores and others, were recovered from Jaipur alone. Apart from this, Singh owns 40 companies, a Mumbai-based company with investments worth Rs 328 crores, a Mauritius-based company with foreign investments over Rs 23 crores.

Additional director (investigations), Prasenjit Singh, said that all offices and lockers have been sealed and officials are still probing the case. Besides their 18 lockers in the city, IT sleuths recovered jewellery worth Rs 1.8 crore and several investment and transaction documents worth crores of rupees, he said. He also said that the department is now looking into the records of a Mumbai-based company worth Rs 328 crore founded by the brothers, in which around 400 people had invested. While Singh's family disclosed only six lockers, IT officials found out about 12 other lockers in name of other persons.

यूनिक बिल्डर के भी पड़ चुका है इन्कम टेक्स का छापा|

ऐसा नहीं है कि यूनिक बिल्डर के कर्ता-धर्ता किसी प्रकार से काली कमाई मे मिराज समूह से पीछे है|वर्ष 2009 मे समूह के कर्ता-धर्ताओ के मकान,ऑफिस और अन्य ठिकानो पर इन्कम टेक्स द्वारा रेड डाली गयी थी|इस रेड मे 105 करोड़ की संपत्ति,19 करोड़ केश 18 लॉकर और 40 करोड़ कीमत के जमीन खरीद के दस्तावेजो के साथ एक मुंबई की कंपनी के साथ 328 करोड़ और एक मारिशस की कंपनी के साथ 23 करोड़ के फ़ोरेन इनवेस्टमेंट के दस्तावेज़ विभाग ने जब्त किए थे|

लेकिन जैसा कि आयकर विभाग के छापो मे होता आया है यह रेड भी आयकर विभाग की फ़ाईलों मे दफन हो कर रह गयी|ना तो बेनामी सम्पत्तियों,नकद बरामद केश और मुंबई की कंपनी के साथ 328 करोड़ और एक मारिशस की कंपनी के साथ 23 करोड़ के फ़ोरेन इनवेस्टमेंट के तथ्यों के बारे मे की गयी इंवेस्टिगेशन की जानकारी बाद मे मीडिया के जरिये बाहर आ सकी और ना ही कोई पुख्ता कार्यवाही की बात सामने आई|

यह भी तय है कि इस मामले मे भी आयकर विभाग द्वारा नकद लेनदेन के संबंध मे प्रवर्तन निदेशालय से जानकारी साझा नहीं की होगी|

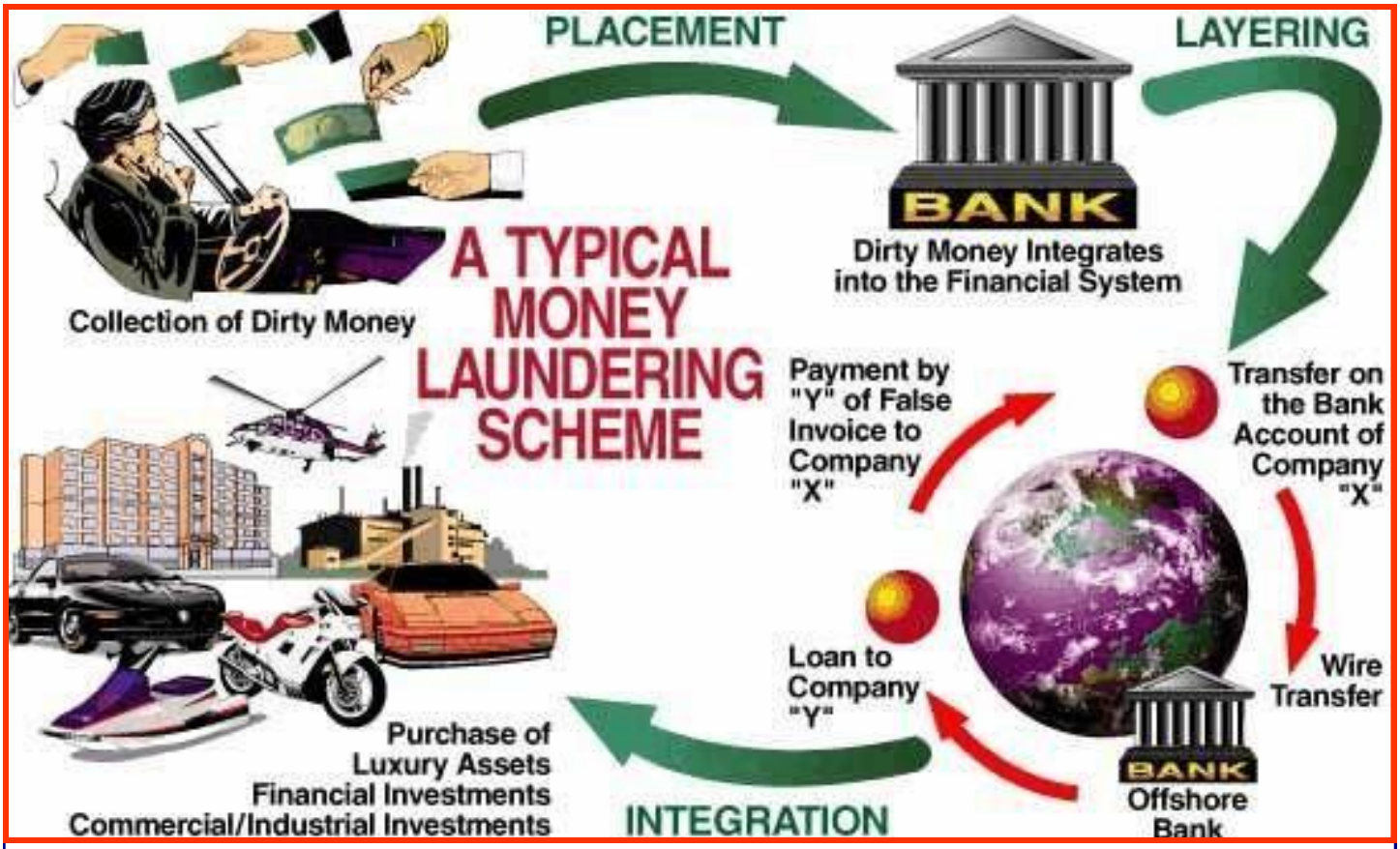

किन किन प्रोजेक्टो मे लगा हुआ है इन दोनों समूहो का काला धन?

मिराज समूह की वैबसाइट के अनुसार मिराज द्वारा केवल उदयपुर,नाथद्वारा,भीलवाडा और अजमेर के ही कुछ प्रोजेक्टो को सार्वजनिक किया गया है|अन्य कहीं भी अपने रियल स्टेट प्रोजेक्ट्स सार्वजनिक नहीं किए गए है|

इसी प्रकार यूनिक बिल्डर द्वारा महाराष्ट्र मे तीन प्रोजेक्टो **UK Iridium,UK Sangfroid** और **UK Vedic Heights** को सार्वजनिक किया गया है|जहां तक महाराष्ट्र मे यूनिक बिल्डर की बात है तो वहाँ भी यूनिक बिल्डर द्वारा सीधे तौर पर किसी प्रकार के प्रोजेक्ट का निर्माण नहीं किया जा रहा है बल्कि मुंबई के कीमाया ग्रुप की **Damodar Suruchi Developers Private Limited** और **Keemaya Build Private Limited** या अन्य किसी कंपनी के माध्यम से वहाँ के रियल स्टेट प्रोजेक्टो मे निवेश किया जा रहा है|

आश्चर्य की बात है कि मिराज समूह,यूनिक बिल्डर और कीमाया समूह की सैंकड़ों फ़र्मों की जानकारी खंगालने पर मात्र **Modest infra limited** मे मदन पालीवाल और यूनिक बिल्डर के कर्ता धर्ताओं की साझेदारी सामने आयी है|ऐसे मे यह बात पुख्ता हो जाती है कि मुंबई मे दोनों समूहो द्वारा निवेश की दाल मे काला नहीं अपितु पूरी दाल ही काली नजर आ रही है|

दोनों समूह अब फायनेंसर की भूमिका मे|

एक प्रकार से देखा जाए तो यह दोनों ग्रुप मिलकर अब अन्य बिल्डरों के लिए फायनेंसर की भूमिका अदा कर रहे है और अपने काले धन को अन्य बिल्डरों के प्रोजेक्ट मे खपा रहे है|क्यूंकी स्थानीय बिल्डरों के प्रोजेक्ट ज्यादा सुरक्षित और मुनाफे के होते है साथ ही उनसे रिकवरी भी आसानी से हो जाती है|सबसे बड़ी बात यह है कि इन छोटे प्रोजेक्टो से कमाया धन इन्ही लोगो के अन्य प्रोजेक्टो मे खप जाता है| सबसे बड़ी बात यह है कि तंबाकू के धंधे के चलते मदन पालीवाल का पूरे देश मे नेटवर्क है जिससे हवाला के जरिये काले धन को आसानी से कहीं भी उपलब्ध करवाया जा सकता है|

सबसे बड़ा सवाल?क्या प्रवर्तन निदेशालय करेगा इन दोनों समूहो के राजस्थान,महाराष्ट्र और एनसीआर क्षेत्र के विभिन्न रियल स्टेट प्रोजेक्ट्स के निवेशो मे हुई मनी लॉण्डरिंग की जांच?

जैसा की आपको बताया गया है कि मिराज समूह के कर्ता-धर्ता मदन पालीवाल और प्रकाश चंद पुरोहित 4 सम्मन के बावजूद डीजीजीआई के समक्ष प्रस्तुत नहीं हो रहे है और डीजीजीआई पर दोनों को देश से भागने से पूर्व तत्काल गिरफ्तार करने का भारी दबाव है|ऐसे मे यदि प्रवर्तन निदेशालय इन दोनों समूहो के राजस्थान,महाराष्ट्र और एनसीआर क्षेत्र के विभिन्न रियल स्टेट प्रोजेक्ट्स के निवेशो मे हुई मनी लॉण्डरिंग की जांच करे तो बड़ा खुलासा सामने आने की पूरी पूरी संभावना है|

जवाब मांगते सवाल?

1. भारतीय कानून मे आदतन आर्थिक अपराधियों को शह देने वाले और उनके काले धन को उपयोग मे लेने वालों के लिए क्या सजा का प्रावधान है?क्या उन्हे उनके अपराध मे भागीदार नहीं माना जाएगा?
2. आखिर कितने समय से यह दोनों समूह साथ साथ काम कर रहे है?
3. आज तक कितने प्रोजेक्टो मे इन दोनों समूह के कर्ता धर्ताओ द्वारा संयुक्त रूप से निवेश किया गया है?
4. सरकारी आंकड़ो के अनुसार इन दोन की किन किन कंपनियों मे हिस्सेदारी है?पर्दे के पीछे हिस्सेदारी किन डमी व्यक्तियों के माध्यम से की जाती है?
5. राजस्थान,महाराष्ट्र समेत देश के किन किन हिस्सो मे इन दोनों समूहो का काला धन रियल स्टेट मार्केट मे लगा हुआ है?
6. यूनिक बिल्डर के कर्ता-धर्ताओ पर पूर्व मे पड़े छापो के दौरान मुंबई की किस कंपनी के साथ 328 करोड़ के इनवेस्टमेंट के दस्तावेज़ जब्त किए गए थे?मारिशस की कंपनी के साथ 23 करोड़ के फ़ोरेन इनवेस्टमेंट की डील का आधार क्या था?
7. क्या प्रवर्तन निदेशालय इन दोनों समूहो द्वारा की जा रही मनी लोंडरिंग और बेनामी सम्पत्तियों की जांच करेगा?
8. मुंबई के किन किन प्रोजेक्टों मे इन दोनों की हिस्सेदारी है?